

ओम शांति,

हम एक ऐसे संसार में रह रहे हैं जिसने पचास वसों में भौतिक रूप से बहतो विकास किया है। साइंस & टेक्नोलॉजी के द्वारा धर धर में सुखो के सागर पहुँच गए हैं। पर आप सब जानते हैं की जिस मनुष्य के लिए सुखो के यह सब साधन इन्वेंट हुए उसको सुख नहीं मिला, अग्री? मनुष्य की टेंसन बढ़ती गयी, रोग बढ़ते गए। आज हर शहर में मेडिकल की कॉलेज मिल जायेंगे, गलियों में डॉक्टर्स की भरमार है परन्तु रोगों की भी भरमार है। टेंसन, रोग, समस्याएं, संबंधो में कडवाहट, सुसाइडल केस बहोत ज्यादा। हम अभी सिक्किम थे एक मास पहले कहाँ यहाँ एवरेज रोज छे लोग सुसाइड करते हैं युवक। उस सभा में मिनिस्टर भी बैठे थे और सेक्रेटरी भी तो मुझे कहा आप सन्देश दो हमारे राज्य को की यहाँ की जो सुसाइडल टेनइँसी है वोह कैसे कम हो जाए। समस्याएं बढ़ती जा रही हैं मन कमजोर होता जा रहा है, क्यूँ हुआ?

में आप से कुछ ऐसी चीजे में आपके सामने रखना चाहूँगा जिससे आपको जीवन में बहोत फायदा हो, आप अपने जीवन की यात्रा को सुख पूर्वक व्यतीत करें संबंधो में मधुरता भरदे और अपनी जिम्मेदारियों को एन्जॉय कर सके। जिम्मेदारी आज टेंसन बन गयी है, मनुष्य भागने लगा है आज जिम्मेदारियों से लेकिन हम उसे एन्जॉय करें और जिम्मेदारियों को खेल की तरह हँसते हँसते हम निभा सके।

तो देखिये आप यहाँ दो तिन दिन से जो कुछ सुन रहे हैं में उसी सम्बन्ध में आप सब से कहूँगा की सभी अपनी इनर पॉवर को पहचाने। **हम सभी कौन है? आत्माएं है।** हमारे पास दो शक्तियां हैं मन और बुद्धि तीसरा भी आपको बताया होगा संस्कार। **मन और बुद्धि हम सब के पास दो महान शक्तियां है।** मिसिंग क्या हुयी की बुद्धि के विकास पर तो सब ने बहोत ध्यान दिया है देखो कितने स्कूल कॉलेज कितने नए नए कोर्सेज हर फील्ड में नए नए कोर्सेज निकल गए। किसी फील्ड में MBA शुरू कर दिया गया और मैनेजमेंट कोर्स बहोत हो गए लेकिन मैनेजमेंट कठिन होता जा रहा है। जिनको मैनेज करना है और जिन पर करना है वोह सब कमजोर हो गए हैं, गैर जिम्मेदार हो गए हैं, समस्यायों से ग्रस्त हो गए हैं। तो बुद्धि का विकास हम सब ने अगर में कहुँ की पिछले चालीश सालो में भारत में ज्यादा हुआ है लेकिन जिस चीज से मनुष्य को सच्चा सुख मिलता है वोह है मन और वोह भी तो हमारी एक इम्पोर्टेन्ट शक्ति है ना? हम ऐसा कह सकते हैं की जीवन की गाडी के मन और बुद्धि दो पहिये हैं शुद्रढ़ होने चाहिए थे। लेकिन बुद्धि का पहिया बहोत मजबूत और मन का पहिया टुटाफूटा तो जीवन की गाडी ठीक से नहीं चल रही है। यहाँ आप सभी को मन की शक्तियों को बढ़ाने की प्रेरणाएं दी गयी।

हमारा लक्ष्य है की जो कुछ मनुष्य भूल गया है भौतिकता के विकास में हम आध्यात्मिकता को नेगलेक्ट करते गए इग्नोर कर दिया पूरी तरह से अरे येही तो हमारी रियलिटी है। यह क्या है? हम आत्मा। हमारी शक्तियों का विकास, हमारा शुद्धिकरण उसको ही आध्यात्म कहते हैं। अगर हम इसको ही छोड़ बैठे तो भौतिक उपलब्धियां सुख कैसे देंगी? हमारे सामने सुंदर भोजन रखा हो खाने के लिए लेकिन मन उदास हो क्या उसको हम एन्जॉय करते हैं? हमारे पास बहोत वैरायटी भोजन हो और हम बीमार हो डॉक्टर ने मना कर दिया हो की बाँईल सब्जी ही खानी है आएगा मज़ा? तो भौतिकता के साथ आध्यात्मिक प्रोग्रेस का सुंदर बैलेंस जब तक हमने नहीं सिखा तो जीवन का आनंद नहीं ले पायेंगे। इसलिए आप सब को यहाँ बुलाया जाता है की आप सभी इसपे ध्यान दे, अपने पे भी ध्यान दे, कुछ समय अपने लिए भी निकाले। हम बीजी हो गए हैं ना कार्यों में अपने को भूल गए हैं इसलिए हर मनुष्य अपने से बहोत दूर होता जा रहा है। अपने को अपने से मिलाना है। ध्यान देंगे इन शब्दों पर आप अपनी शक्तियों को पहचानना है, अपनी प्यूरिटी के बल को रियलायिस करना है। देखिये हमारे चारो और क्या हो रहा है सब को जरा अवेयरनेस दिलाना चाहूँगा - प्रकृति ने हमें हवा दी स्वांस लेने के लिए लेकिन हवा को हमने क्या कर दिया? बहोत

पोल्युट कर दिया है आप अगर इस हवा को बहुत ही पावरफुल मायक्रोस्कोप से देखे तो दिखे देगा इसमें कीड़े जंतु घूम रहे हैं वोह सब हमारे अंदर जा रहा है तो मनुष्य बीमार नहीं होगा तो क्या होगा? अनइन्वायटेड (Un invited) बीमारियाँ हम ग्रहण करते जा रहे हैं। सब्जी भोजन अन्न इस पर क्या छिड़का जा रहा है खेतों में आज? सोचलो भिन्डी और बैंगन की फसल लगी है उसपे कोई भी कीटनाशक छिड़का जा रहा है क्या वोह कीटनाशक दवाई बैंगन और भिन्डी पर पड़ेगी बैंगन और भिन्डी अब्सोर्ब नहीं करेंगे? और वोह हम खायेंगे कितना भी धोलो जो अंदर चला गया वोह हमारे अंदर जाना है तो बीमारियाँ होगी ही। मैं आपको ध्यान दिलाना चाहता हूँ हम सब ने विकास के नाम पर बड़े बड़े टावर्स लगाये हैं चाहे वोह मोबाइल के हो, टीवी के हो, इन्टरनेट के हो या और कुछ हो। आप सब जानते हैं आप educated भाई बहने यहाँ बैठे हैं उनसे कितनी बेड वेव चारो और फ़ैल रही है जिससे मनुष्य को मानसिक बीमारियाँ बढ़ रही हैं एक और विकास है दूसरी और उसका दुस परिणाम है तो कैसे बचे इससे? विकास भी आवश्यक है और उसके दुस परिणाम से भी हमें समाप्त करना है इसके लिए आध्यात्म परम आवश्यक है।

अब मैं आता हूँ एक बहुत इम्पोर्टेंट बात पर जो आपको जीवन भर काम आएगी। देखिये हम सुन रहे थे की कही पे मनुष्य एक दिन में पचीस से तिस हजार श्वास लेता है ऐसे ही एक दिन में तिस हजार से चालीस हजार तक थॉट्स क्रिएट करता है। विचार, संकल्प उठते हैं हमारे मन में इसमें से नेगेटिव बहुत होते हैं। **नेगेटिव थॉट्स से हमारी मन की शक्तियाँ बहुत नष्ट होती है।** हमें यह जानना चाहिए अगर हम बहुत ज्यादा सोचते हैं तो हमारे मन की स्पीड फ़ास्ट हो जाती है। एक नार्मल स्टेट ऑफ़ माइंड में हमारे मन में बीस से पचीस थॉट पर मिनट उठते हैं। अगर हम टेंसन में आगये, अगर हमें क्रोध आगया, अगर हम परेशान हो गए बीस के तिस, चालीस थॉट्स पर मिनट हो जाते हैं। अगर हमारा चित्त शांत है तो यह स्लो डाउन पंद्रह, दस। आप जानते हैं सवरे हम उठते हैं हमारा मन शांत होता है एक मिनट में सायद हम पांच दस विचार ही उठाते हो धीरे धीरे स्पीड बढ़ती है। आप सब को याद रखना है - शक्ति जिसको हम माईट कहते हैं, जिसको हम स्पिरिचुअल एनर्जी कहते हैं वोह हमारे मन में रहती है। कौन व्यक्ति कितना शक्तिशाली है यह कैसे जाना जाता है? उसकी मन की शक्तियों से।

अब एक बहुत इम्पोर्टेंट बात है जिसका आपको जीवन में बहुत ध्यान देना है सभी भाई बहने सुनले - **हमारे हर थॉट में क्रिएटिव एनर्जी है।** आपने देवताओं के चित्र देखे होंगे उसमे चारो और प्रभामंडल दिखाया जाता है इंग्लिश में उसे ओरा कहते किरणे निकलती हुयी। यह सब प्रभामंडल हम सब के चारो और भी हैं क्यूंकि जो कुछ हम सोचते हैं उसके वायब्रेसंस हम से चारो और फ़ैलते हैं। जैसे आप जानते हैं साउंड रेस के रूप में फ़ैलती है, लाइट रेस के रूप में फ़ैलती है ऐसे ही हमारे थॉट वायब्रेसंस के रूप में फ़ैलती है। प्रकम्पन इन्हें कहते हैं, तरंगे भी कह सकते हैं हम सब से चारो और निरंतर जो कुछ सोच रहे हैं उसके वायब्रेसंस फ़ैल रहे हैं। और जिसके बारे में सोच रहे हैं उसको वोह टच कर रहे हैं, उसको टच कर के वापिस हमारे पास आरहे हैं। अटेंशन देंगे आप। अगर आप किसी व्यक्ति के लिए थोड़े घृणा के थॉट, थोड़े नफ़रत के थॉट, थोड़े रेवेंजफुल थॉट (बदले की भावना वाले थॉट) रख रहे हैं तो वोह उसको जायेंगे उसको इफ़ेक्ट करेंगे लौट कर वापिस आ जायेंगे नुकशान करेंगे। दोनों को नुकशान हो रहा है।

अगर हमें सबसे अपने संबंध सुधारने है तो हमें अपने थॉट्स को कैसा करना है? बहुत लवफुल, बहुत पॉजिटिव, बिलकुल शुभ भावनाओं से भरा हुआ। सभी सिखले आज कल परिवारों में, समाज में संबंधों की कड़वाहट, टेंसन का, अशांति का, बिमारियों का बहुत बड़ा कारण बनती जा रही है। यह समस्या वस्तेर्न (Wastern) वर्ल्ड में बहुत थी अब भारत में भी आगई है। हम अपने संबंधों को सुधरेंगे एक दुसरे को गुड वायब्रेसंस देकर। हम दुसरे को प्रेम के वाब्रेसंस देंगे टर्न होकर डबल होकर वोह हमारे पास आजायेंगे। आपका चित्त भी प्रेम से भरपूर उनको भी प्रेम की फिलिंग।

में आपको एक छोटा सा अनुभव मुझे याद आगया मैं एक जगह गया गांधीनगर हमारे गुजरात की राजधानी है एक व्यक्ति मुझे मिला हमारे क्लास में बैठा था। कहा हमारे जो ऑफिसर है उनसे मुझे बहोत परेशानी हो रही है और मेने अब रिजाइन करने की सोच ली है। मेने कहा वोह क्या करते है? मेरा ऑफिस में जाना और उनका मुझे डांट डपट करना। मैं परेशान हो गया हूँ। तो मेने कहा तिन दिन और वेट करो बाद में रिजाइन करना मैं कुछ बताता हूँ उसका जरा प्रयोग करलो तिन दिन के लिए। मेने उसे बताया की जो तुम्हारा ऑफिसर है हो सकता है की वोह अपने घर से बहोत परेशान होके आता हो, पत्नी से लड़के आता हो, कोई और टेंसन में आता हो तो वोह अपना गुस्सा कही तो उतारेगा ना? पहले तुम उसे मिल जाते हो तो वोह गुस्सा करके हल्का हो जाता है। तुम समझो की तुम्हारी सहनशक्ति उसे लाइट बना रही है, टेंसन फ्री कर रही है। कहा ऐसी बात है क्या? मेने कहा हाँ। मेने उसे कहा की वोह व्यक्ति तुमसे प्यार चाहता है तुम उसे प्यार दो भले ही वोह तुम्हारा ऑफिसर है, है तो वोह भी मनुष्य ना? तुम उसे प्यार की फिलिंग दो, तुम उसे गुड विशिस दो देखो वोह बदल जाएगा। मेने उसे कहा की सवरे उठके कल से संकल्प करना की यह आत्मा बहोत अच्छी है, संकल्प करना में तुम्हे बहोत प्यार करता हूँ, तुम्हारा बहोत सम्मान करता हूँ, तुम बहोत अच्छे हो। पहले ही दिन उसने किया था जैसे ही वोह ऑफिस गया तो उसने देखा उसके साब खामोश बिलकुल। वोह उनसे पहले ही दिन प्यार से बात करने लगे। दुसरे दिन किया फिर प्यार से बात करने लगे। तीसरे दिन जब बहोत अच्छा प्यार हो गया उसने कहा सर आप रोज मुझपे गुस्सा करते थे ना तो मैं परेशान हो गया था। उसने बोल दिया मैं क्या करूँ में घर से परेशान होके आता था। सम्बन्ध सुधर गए रिजाइन करने की जरूरत नहीं।

हमारे सुंदर वायब्रेसंस, हमारा अच्छा व्यवहार। कुछ लोग आपसे ऐसे मिलेंगे जिनसे आप अच्छी बात कह नहीं पायेंगे, आप उन्हें अच्छे थॉट्स दो, संकल्प दो, उनके बारे में अच्छे संकल्प करलो शुभ भावनाओ के। पहला संकल्प यह करना - वोह बहोत अच्छी आत्मा है। हमारे मन में नफरत हो जाती है, हम रेवेंजफुल रहते है किसी ने हमसे बुरा किया था हम भी उसके लिए बुरी भावनाएं रखते है, बदला लेने की सोचते है। उसने दो वचन बुरे बोले थे हम जब तक चार नहीं बोलेंगे हमें शांति नहीं मिलेगी। यह रेवेंज फुल फिलिंग, बदले की भावना हम इसको क्षमा भाव से समाप्त करें। महान वोह है जो दुसरो को क्षमा दान दे।

में आपको एक प्रैक्टिकल इवेंट सुना देता हूँ बहोत अच्छे - एक माता मेरे पास मिलने आई कहा मेरे को दो बच्चे है एक सात साल की लड़की, पांच साल का लड़का। देखिये कितना वंडरफुल घटना है कहा यह जो पांच साल की लड़की है वोह मुझे देखकर ऐसा व्यवहार करती है की में मम्मी को खाजाऊ। और कहा इससे मुझे डिप्रेसन हो रहा है, उसका चेहरा देखा उतरा हुआ बिलकुल उदास। कहा में माँ होने के नाते उसे प्यार नहीं दे सकती हूँ और उसका व्यवहार बहोत वायलेंट है मेरे प्रति क्या करूँ? मेने और दो चार बात पूछी और समज गया। मेने बताया की तुमने इस आत्मा को पिछले जनम में बहोत कष्ट पहोचाया है अब यह तुम्हारी बच्ची बन कर आगयी है बदला लेने अभी यह तुम्हे चैन से नहीं रहने देगी। इसकी उपस्थिति ही तुम्हे कष्ट दे रही है, क्या करूँ? मेने कहा रोज सवरे उठ कर मन ही मन हाथ जोड़ कर इस आत्मा से क्षमा याचना करना की मेने तुम्हे किसी भी कारण तुम्हे कष्ट पहोचाया है तो तुमसे क्षमा याचना करती हूँ। आप खुश होंगे यह समाचार सुनकर सात दिन करने के बाद ही लड़की का व्यवहार बदल गया। हमारी रेवेंजफुल फिलिंग दुसरो को भी कष्ट देती है हमें भी कष्ट देती है। कहीं हमें क्षमा याचना कर लेनी है, कही हमें दुसरो को क्षमा कर देना है। बहोत सारी ऐसी घटनाएं हैं में प्रयोग कराता हूँ लोगो पर जहाँ संबंधो में कड़वाहट रहती है।

बहोत सुंदर अनुभव सुना देता हूँ बिलकुल सत्य दो साल पहले का है। जोधपुर के एक बहोत अच्छे डॉक्टर एक दिन बीमार हुए। बीमार हुए तो जोधपुर में इलाज नहीं हो सका और रेफेर कर दिया जयपुर के लिए और सारे डॉक्टर्स हार गए उसको बचा नहीं पा रहे थे। उसका एक फ्रेंड हाई कोर्ट में वकील है उसके परिवार ने इससे पूछा की

तुम्हारे यहाँ ज्ञान योग होता है अपनी बहनों से पूछो क्या है यह आखिर कुछ हो सकता है? कुछ भगवान् से प्रेरणाएं लो । तो हमारे यहाँ जोधपुर में बहेन बहोत अच्छी है उससे उसने पूछा उसने ट्रांस के द्वारा पता किया की यह डॉक्टर पिछले जनम में राजकुमार था । बगीचे में बैठा था उसके बगीचे में किसी ब्राह्मण ने प्रवेश किया दोनों में बातचीत हो रही थी और झगडा हो गया और उसने ब्राह्मण को तलवार से काट दिया । कहा उसका जो श्राप है वोह अब काम कर रहा है वोह चैन से जीने नहीं देगा । तो क्या करो? मन ही मन उससे क्षमा याचना करें । देखो वोह व्यक्ति बिलकुल मृत्यु के समीप था उसने रियलाइस किया इट्स ड्रुथ और उसने वही से मन ही मन ब्राह्मण से क्षमा याचना की - क्रोध वश, अहंकार वश आपका वध किया था और चमत्कार हुआ उसी क्षन से की इसकी स्थिति में सुधार होने लगा । पंद्रह दिन में थिक होकर वपिश आगया ।

तो यह कर्मों की गति बहोत गंभीर रूप से एफेक्ट कर रही है मनुष्य को । न जाने कब कौनसा हमारा पूर्व का किया हुआ पाप हम पर इफेक्ट करने लगे । हमारे ब्रेन पे इफेक्ट करने लगे, कुछ ऐसी बीमारी ला कर खड़ी करदे । हमें गुड वायब्रेसंस दुसरो को देने है । मैं आता हूँ उस बात पर - हम सभी के पास बहोत बड़ी शक्ति है हमारे एक एक पॉजिटिव थॉट में । नेगेटिव थॉट में बेड एनर्जी है, पॉजिटिव थॉट में, प्योर थॉट में, पावरफुल थॉट में बहोत सुंदर एनर्जी है । हम सभी अपनी शक्तियों को पहचाने । मैं आपको विशेष रूप से कह रहा हूँ मेने अब से लगभग चालीश साल पहले हम बाबा के महावाक्य सुनते है उसमे एक बहोत सुंदर बात सुनी वहां से मेने पॉवर ऑफ थॉट पर काम करना शुरू किया । इतनी सुंदर लाइन थी आप सुने उसको - **समस्याएं और कुछ नहीं कमजोर मन की रचना है ।** अटेन्सन दे आप इस पर । अब तक मेरे पास इस सबजेक्ट की बहोत नॉलेज नहीं थी यहाँ से मेने प्रारंभ किया । **मेने सुना अगर विक थॉट समस्याएं क्रियेट कर सकते है तो पावरफुल थॉट्स उन्हें नष्ट भी कर सकते है ।** क्लियर था । तो मेने पावरफुल थॉट्स के द्वारा छोटी छोटी आने वाली समस्याओं को समाप्त करते हुए देखा । मैं किचन में था किचन में बहोत सारी बातें होती रहती थी हमने एक संकल्प किया अपने साथियों के साथ की हमें अपने किचन के सारे कार्य को निर्विघ्न चलाना है केवल संकल्प के द्वारा और उसमे हम बहोत सफल हुए ।

मानलो निचे से ट्रक में माल आरहा है, ट्रक रास्ते में रुक गया है प्रैक्टिकल एक घटना हुयी थी रास्ते में रूप गया है सब्जियां आरही थी । मेसेज मिला ट्रक रास्ते में खड़ा हो गया है उपर नहीं चढ़ रहा है । हम पांच थे तब एक साथ पावरफुल थॉट किया की ट्रक आधे घंटे में ही अबू पर पहुँच जाए वोह थिक हो जाए और थिक आधे घंटे में ट्रक पहुँच गया । वोह वहां थिक कर रहे थे तो थिक हो गया जल्दी । कोई मैकेनिक था नहीं वो ड्राईवर ही थिक कर रहा था तो थिक हो गया ।

तो आप यह सत्य को जानले में आपके सामने एक बहोत डीप सत्य रख रहा हूँ यह संसार का खेल कैसे चल रहा है दो मिनट में कहूँगा आपको आप इस्पे चिंतन कर सकते है । आप में से जो भी फिजिक्स या केमिस्ट्री के स्टूडेंट रहे हो बहोत अच्छी तरह इस चिंतन को आगे बढ़ा सकते है । संसार का खेल कैसे चल रहा है? केमिस्ट्री के जो स्टूडेंट है वोह जानते होंगे एलिमेंट्स के बिच किस तरह बांड रहता है जिससे पदार्थ बनते है यह सार संसार भी उसी से बनता है । इलेक्ट्रॉन्स के बिच एटम के बिच किस तरह अट्रैक्शन रहता है हर पार्टिकल के बिच में एक अट्रैक्शन है वोह अट्रैक्शन काम कर रहा है इस संसार की रचना में । कैसे यह संसार का खेल चल रहा है यह सुंदर चीज है जिसको अकेले वैज्ञानिक नहीं जान सकते, एकेले मनोवैज्ञानिक भी नहीं जान सकते है आध्यामिक के माध्यम से हम समज सकते है । जो कुछ हम संकल्प करते है उसकी रेज़ उसके वायब्रेसंस चारो और फैलते है वोह प्रकृति से मिल कर सब कुछ निर्माण करते है । इसीलिए किसी मनुष्य के पास जो कुछ भी है चाहे धन सम्पति, पद पोजीसन, विघ्न और समस्याएं, सफलता, मान सम्मान या अपमान इस सब के जिम्मेदार है मनुष्य के संकल्प ।

हमारी संकल्पों की वेक्स प्रकृति से मिल कर वही हमें रिटर्न कर देती है डबल करके। मेने इसपर बहोत कैंडिडेट्स से एक्सपेरिमेंट कराये है जब इंटरव्यू देने जाते है नौकरियों के लिए सफलता प्राप्त करने के लिए में उन्हें दो संकल्प सिखाया करता हूँ। आपको बता देता हूँ वोह संकल्प जिन्होंने ने भी वोह कर लिए है अब तक किसी को असफलता नहीं मिली। कही कहीं तो वंडरफुल एक्सपीरियंस हुए क्या है? अब आप समज गए है हम भगवान् के बच्चे है, थिक है ना? जैसे शेर का बच्चा क्या होगा? भगवान् सर्वशक्तिवान है उसके बच्चे कैसे होंगे? शक्तिशाली होंगे ना? हम इस चीज के अवेयरनेस में आजाये की में शक्तिशाली हूँ। हम इस चीज को एक्सेप्ट करे सभी ही बहोत शक्तिशाली है। हम अपनी ही शक्तियों को तो भूल गये है। एक बहोत अच्छा स्लोगन में लोगो को दे देता हूँ - **जीवन में हारता वही मनुष्य है जो अपनी शक्तियों को भूल जाता है।** तो में उन सब को सिखाता हूँ कि सवरे उठ कर संकल्प करना - में शक्तिशाली हूँ। इसके लिए हम अपनी भाषा में एक दूसरा शब्द यूज करते है - में **ऑलमाइटी कि संतान मास्टर ऑलमाइटी हूँ।** तो इससे हमारी शक्तियां एक्टिवेट हो जाती है, काम करने लगती है हमारी इनर पाँवर। पाँवर हम सब के पास है लेकिन वोह सुसुप्त रहती है उनको हम एक्टिवेट करदें पावरफुल थॉट्स से माइंड पावरफुल, में मास्टर ऑलमाइटी।

यह करने के बाद में उन्हें कहता हूँ दूसरा संकल्प - **सफलता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है।** तीसरा संकल्प करो आज के इंटरव्यू में मेरा सिलेक्शन निश्चित है। फुल कॉन्फिडेंस आप अपने बच्चो को सिखा सकते है यह संकल्प। फुल कॉन्फिडेंस इससे बहोत अच्छी सफलता मिलती है। कईयों से तो में यह करा देता हूँ जो बहोत अच्छा राजयोग का अभ्यास करते है ना? मेरी बात सुनकर शायद हँसे भी। में उन्हें सिखा देता कि विचार करना जो इंटरव्यू लेने वाले बैठे होंगे ना दो चार वोह वही प्रश्न करेंगे जिनके उत्तर मुझे आते है। यह sub-conscious माइंड के प्रयोग कि सुंदर विधि है, यह एक यूनिवर्सल माइंड कि तरह काम करता है। जो थॉट हमारे वही थॉट उनके जो हमसे मिलने वाले है। यह बहोत सुंदर विधि है। आप सभी ध्यान देंगे अपने अंदर कि शक्तियों को पहचान कर उन्हें यूज करना प्रारम्भ करें। इसके लिए आप कोई सुंदर विज़न बनाएं, सुंदर थॉट करें। यह विश्वास करले हमारा भविष्य, हमारा कल भी, परसों भी अच्छा ही होगा जैसे आज सुंदर थॉट्स करेंगे।

एक माता मुझे फोन कर रही थी आज वोह बहोत बीमार है। वोह इतनी बीमार है कि उसका शारीर ही ठंडा रहने लगा है। वोह कहने लगी कुछ काम नहीं कर सकती है। मेने पूछा थिक होना है? तो क्या उत्तर दिया? मुझे लगता है में थिक नहीं होंगी। गलती हो रही है ना? मेने उसे याद दिलाया तुम सब से बड़ी गलती कर रही हो। तुम पर दवाई इसलिए काम नहीं कर रही है क्यूंकि तुमने अपने sub-conscious माइंड को बार बार येही थॉट दे दिया है लगता है में थिक नहीं होंगी। और उसने यह एक्सेप्ट कर लिया यह थिक नहीं होने वाली है तो सब दवाइयां निष्क्रिय हो गयी। मेने उसे पक्का कराया दस मिनट अच्छी तरह और उसको कॉफिडेंट किया फिर से संकल्प कर लो में थिक हो जाउंगी, छे माँस में बिलकुल परफेक्ट रूप में थिक हो जाउंगी। उसने बोला में थिक हो जाउंगी नहीं तो बार बार येही सोच रही है लगता है में थिक नहीं होंगी।

तो याद रखेंगे आप जो संकल्प हम बार बार करते है उसको हैम क्रिएट करते है। जो संकल्प हम बार बार कर रहे है उसी सिचुएशन का हम निर्माण कर रहे है, इसलिए हमें वोह नहीं सोचना है जो हम नहीं चाहते हमें वही सोचना है जो हम चाहते है। आपके जॉब में आपको कोई समस्या आजायें

आपका कोई सीनियर ऑफिसर आपके विरुद्ध कुछ कर दे आप प्रॉब्लम में पड़ जाए आप थॉट पॉवर के द्वारा उसमें से बहार निकल सकते हैं। आप वही थॉट क्रिएट करो बार बार जो आप चाहते हैं तो वही होगा। उस व्यक्ति के विचार बदल जायेंगे। आपके संकल्पों के वायब्रेसंस दूसरे के वायब्रेसंस को बदल देंगे।

अभी आप में से ही किसी ने एक बहुत अच्छा अनुभव सुनाया। डायरेक्टर है सायद किसी बैंक के बड़े उनको एक ऐसी समस्या हुयी थी कि छुटी कि एक ऐसी प्रॉब्लम ला दी थी टॉप मैनेजमेंट ने जा नहीं सकते थे कहीं। लेकिन उन्होंने संकल्प ही सुंदर किये मार्ग खुल गया। हम अपने मार्ग को अवरुद्ध ना करें अपनी नेगेटिव एनर्जी भेज कर। एक बहुत अच्छी चीज बाबा हमें सिखाते हैं कि - कोई तुम्हें एक बटुआ दे रहा हो तुम उसे दस दुआएं दे दो तो उसकी नेगेटिव एनर्जी आप तक आहि नहीं पाएगी रिटर्न में आपकी प्योर एनर्जी उस तक जायेगी। उसका भला हो जाएगा आप उसकी नेगेटिव एनर्जी से बच जायेगे, पसंद है यह बात? करेंगे सभी? तो सिखले आजसे हमें वोह नहीं सोचना है जो हम नहीं चाहते हैं।

मैं आप सभी को एक बहुत सुंदर बात कि और ले चलना चाहता हूँ आप अपने जीवन में इस सिद्धांत को अप्लाई कर के जो कुछ अचीव करना चाहे वोह कर सकते हैं। मैं अपने सभी क्लासेज में चाहे वोह टीवी के माध्यम से जाती हो सब को यह सिखाना चाहता हूँ कि यह टेकनिक सभी अपने अपने जीवन में अपनाएं चाहे आप स्पिरिचुअल मार्ग पर हैं, चाहे आप भक्ति करते हैं, आपके जीवन में कोई समस्याएं हैं, आपका कोई बड़ा बिज़नस है, आप बड़े अधिकारी हैं आप अपने जीवन को निर्विध्न बना सकते हैं क्या है वोह विधि? रोज सवेरे के दस मिनट हम सभी के लिए गोल्डन पीरियड ऑफ़ लाइफ़ है। लेकिन उनके लिए जो थोडा जल्दी उठते हैं जो नौ दस बजे उठेंगे उनके लिए नहीं। सूर्य उदय होने से पहले उठाना ताकि प्रकृति कि सौन्दर्य का अनुभव आपको हो। प्रकृति कितनी सुंदर है उसका टच हमारे शारीर को स्पर्स करें कितनी सुंदर फिलिंग है यहाँ मने देखा सवेरे घूम ते हैं ना? कितना अच्छा लगता है। सोना कहाँ और सवेरे उठकर प्रकृति के सौन्दर्य का अनुभव करना कहाँ? यह तो सत्य है कि बड़े सहेरो में ऐसा माहोल तो नहीं मिलता छत पर भी जायेंगे बदबू ही आएगी यहाँ तो सुगन्धित वातावरण है स्पिरिचुअल वातावरण है। वहां तो सवेरे उठते ही गाड़ियाँ निकलेगी वैसे ही शांति नहीं रहती है उनसे बचके निकलना पड़ता है यहाँ वोह सब नहीं है।

क्यूँ सवेरे के दस मिनट सुंदर है? मन कि कई स्थितियों का मनोविज्ञानिको ने विश्लेषण किया है उसमें दो स्थिति वेलनोन है चेतन मन और अर्धचेतन मन। चेतन मन यह जिससे हम लगातार सोच रहे हैं अंतर मन वोह जो शांत है लेकिन वोह तब एक्टिव होता है जब हमारा यह चेतन मन शांत हो जाता है। हमारे मन कि ९० परसेंट शक्तियां हमारे अंतर मन में रहती है। तो हमारा अंतर मन बहुत पावरफुल होता है। और राजयोग के अभ्यास से अगर किसी ने अपनी शक्तियां बढ़ाली हो तो उसके अंतर मन कि शक्तियां और ज्यादा हो जाती है। देखिये आज आप सब को यह रहस्य मालुम हो एक नार्मल मनुष्य कि आत्मा कि शक्तियों कि जो डिग्री है १०० से घटते घटते १० पर आगई है। तो १० का ९० परसेंट माना ९ डिग्री अंतर मन में है। जब हम राजयोग करते हैं तो हमारी यह डिग्री बढ़ने लगती है ३०,४०,५० १०० तक हमें पहोंचना है। तो अगर किसी कि यह डिग्री ६० पर हो गयी हो तो उसके अंतर मन कि पॉवर भी बहुत हो जायेगी ना? तो उसके संकल्प बिलकुल प्रैक्टिकल सिद्ध होने

लगेगे काम करने लगेगे । तो दो समय हमारे पास ऐसे होते हैं एक रात को जब हमें नींद आरही है तब हमारा मन शांत होने लगता है और सवेरे उठते ही हमारा मन शांत होता है । हमारे मन को एक्टिव होने के लिए दस मिनट लगते हैं सवेरे । दो सुंदर समय है जब हम अपने अंतर मन कि पाँवर को यूज करेंगे । यूज करने के दो तरीके हैं एक है विज़न बनाना दूसरा है संकल्प क्रिएट करना । आप एक अधिकारी है आपको डायरेक्टर बनने का बहुत तेज संकल्प है तो विज़न बना सकते हैं सवेरे उठ कर आज से दो साल के बाद तिन साल के बाद में डायरेक्टर कि चैर पर बैठा हूँ, सामने मेरे नाम को बोर्ड लगा हुआ है लेकिन एक फुल कॉन्फिडेंस और एक राईट समय देते हुए ऐसे नहीं आप कहेंगे मैं कल बैठा हूँ तो गड़बड़ हो सकती है अंतर मन एक्स्ट्रा आर्डिनरी एक्टिव हो जाएगा । एक राईट टाइम, प्रॉपर टाइम आप देंगे एक तरीका यह है । बहुत इम्पोर्टेंट चीज है हम सब के लिए कि रात के समय हमारा अंतर मन पूरी रात जग रहता है और उसमे मैक्सिमम हीलिंग पाँवर होती है । ध्यान से सुनले उसमे अधिक से अधिक शक्ति है रोगों को थिक करने कि सुप्रीम सर्जन है रात को, हीलिंग एनर्जी है बहुत ज्यादा इसलिए अगर सोने से पहले बिलकुल जब मन शांत हो रहा हो कैरफुली आप संकल्प ले ले में सम्पूर्ण स्वस्थ हूँ, मैं इस बीमारी से मुक्त हूँ, आपको ब्लड प्रेशर हाई रहता है तो मेरा ब्लड प्रेशर नार्मल हो गया है, मैं दमे से मुक्त हूँ पांच से छे बार रिपीट करें ताकि अंतर मन में चला जाए कुछ गहराई तक वोह उसे रिसीव कर लेगा और सारी रात उसी तरह से रियेक्ट करेगा । अगर कोई मनुष्य सात दिन ऐसा करले लगातार तो मिरिकुलस रिजल्ट्स मिलेगा । कोई बड़ी बीमारी हो यह कर लिया जाए सब दवाइयां काम करने लगेगी । हेलधी लाइफ प्राप्त हो जायेगी । सवेरे उठते ही पहला जो हमारा थॉट होता है वोह हमारे भाग्य का निर्माता है । सोचले आप? हम उठते ही क्या सोचते हैं? अगर कोई व्यक्ति उठते ही अखबार पढता है तो क्या होगा? अंतर मन एक्टिव है अखबार में पहले पेज पे कैसे समाचार होते हैं? तो जब हम ऐसा पढेंगे उठते ही तो क्या होगा अंदर? एक अलग तरह कि अशांति, नेगेटिविटी । तो **उठते ही कभी अखबार नहीं पढना चाहिए** दस मिनट के बाद आप को यह सब काम करने है । उठते ही आपको यह सब संकल्प करने है । उठते ही पहले दस मिनट में आप वोह सोचे जो आप अपना जीवन चाहते है ।

आपके सामने समस्याएं है तो उठते ही आप यह संकल्प करना में ऑलमाइटी कि संतान हूँ इन समस्याओं से अधिक पावरफुल हूँ, मेरा जीवन समस्याओं से मुक्त है, मेरा जीवन विघ्नो से मुक्त है, मैं तनाव से मुक्त हूँ, मैं बहुत खुश हूँ, मैं भगवान् का बच्चा हूँ, मैं बहुत भाग्यशाली हूँ, मैं बहुत सुखी हूँ यह सोचेंगे । मनुष्य क्या सोचता है? बहुत टेंसन में हूँ, बहुत दुखी हूँ, उसने तो मुझे बहुत तंग कर के रख दिया, यह तो मेरा पीछा ही नहीं छोडती, पता नहीं कब मारेगी, न ये मारेगी न मुझे सुख मिलेगा, पता नहीं क्या होगा मेरा, मेरा भाग्य बड़ा खराब है यह सोचते है ना मनुष्य? यह सोचना गलत है । विशेष कर पहले दस मिनट में आपको यह नहीं सोचना है । उठते ही सुंदर विचारो से अपने को चार्ज करें आप । यह चार्जिंग करने का तरीका है आप अपने फोन को भी चार्ज करते है ना बैटरी को? हम अपने को भी चार्ज करें रोज पसंद है? उठते ही संकल्प करना में बहुत भाग्यवान हूँ । भगवान् के बच्चे भाग्यवान होंगे या नहीं? मैं बहुत सुखी हूँ, सुखदाता के बच्चे सुखी नहीं होंगे क्या? उसे भी लज्जा आजायेगी मेरे बच्चे दुखी? संकल्प ही यह करो आप । मैं बहुत धनवान हूँ, मैं तनाव से मुक्त हूँ, मैं विघ्नो से मुक्त हूँ, मैं सम्पूर्ण स्वस्थ हूँ । तो बार बार वही सोचने से हम उसको क्रिएट करते है ।

इसलिए अब आपका जीवन अब आपके हाथ में है जुड़ जाए आप शिवबाबा से यह शक्तियां आपको मिलती रहेगी आपकी शक्तियां बढ़ती रहेगी, अंतर मन कि शक्तियों का आप प्रयोग करना जीवन कि हर समस्याको समाप्त किया जा सकता है तो शक्तियां हमारे पास है बस हमें उन्हें एक्टिव रखना है और उन्हें यूज़ करना है । थिक है? आप यहाँ आये बहोत सुख लिया होगा ना? मिला सुख? केवल शांति नहीं में सुख पूछ रहा हूँ सुख मिला ना? बस यह में आपको कहना चाहूँगा बहोत बड़ी बात है अपने परमपिता से मिलने के मार्ग पर आपने कदम रखने प्रारंभ कर दिये है और यह कदम आपको वहीं ले जायेंगे जहाँ आपका मिलन आपके परमपिता से होगा, होगा ही । मिलना चाहते है अपने परमपिता से या नहीं? और क्या पिता से मिलना बच्चो का अधिकार नहीं होता? होता है या नहीं? वोह कैसा बाप जो अपने बच्चो से मिलता ही ना हो? तो भला भगवान् चाहता होगा में अपने बच्चो से न मिलूँ बोलो? चाहता होगा? वोह तो खुश है जैसे आप बाप अपने बच्चो से मिलके खुश होते है तो वोह परमपिता भी अपने बच्चो से मिलके आनंदित हो उठता है । बस आप बढे उस और अपने परमपिता से मिलकर उनसे अपना अधिकार प्राप्त करें ।

ओम शांति ।